



मानसून

मानसून की बारिश

भारतीय महाद्वीप को मानसून के नाम से जानी जाने वाली विचित्र घटना से अपनी वार्षिक वर्षा प्राप्त होती है। इसमें भारत महासागर में उत्पन्न होने वाले चक्रवातों की श्रृंखला शामिल है।

मानसून प्रणालियों के चार प्रकार हैं :

1. दक्षिण पश्चिम मानसून
2. उत्तर पूर्व मानसून
3. दक्षिण पश्चिम मानसून/शीतकालीन वर्षा का पीछे हटना
4. गर्मियों में वर्षा

1. दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर)

- पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों में अवसाद और चक्रवातों के लगातार घटित होने के कारण अधिक वर्षा होती है।
- प्रायद्वीपीय भारत, 150 एन के दक्षिणमें, 500 मिमी से कम प्राप्त करता है
- उड़ीसा, पूर्वी मप्र, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्य, पश्चिमी तट और घाट, और उत्तर बिहार से जम्मू तक विस्तारित उप-मॉन्टेन क्षेत्र में औसत वार्षिक 1000 मिमी से अधिक वर्षा होती है
- पश्चिमी राजस्थान के चरम हिस्सों में 100 मिमी से भी कम बारिश

2. उत्तर-पूर्व मानसून/पश्चिमी विक्षोभ (दिसंबर-फरवरी)

- सितंबर के अंत में दक्षिण पश्चिम मानसून उत्तर पश्चिमी भारत में प्रवेश करता है लेकिन बंगाल में पूरे एक महीने तक रहता है।
- पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में संरक्षित मृदा नमी पर उगाई जाने वाली रबी फसलों को अच्छी पूरक नमी प्रदान करते हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी उत्पादकता अधिक होती है।



3. दक्षिण पश्चिम मानसून का पीछे हटना (1 सितंबर-5 नवंबर)

- यह उत्तरी भारत के लिए अधिक प्रतिबंधित है और पहाड़ों पर बर्फ के रूप में प्राप्त होता है और पंजाब के मैदानी इलाकों में बारिश होती है

4. ग्रीष्मकालीन वर्षा (मार्च-मई)

- पश्चिम बंगाल और असम में कुछ समय गरज-चमक के साथ तूफानों को 'नॉर्वेर्स' के नाम से जाना जाता है।
- मार्च से मई तक स्थानीय तूफान के रूप में गर्मियों में बारिश होती है। इसमें ज्यादातर बारिश होती है।

भारत में वर्षा क्षेत्रों का वर्गीकरण

वर्षा (मिमी)	क्षेत्र-विशेष	नेट बोया क्षेत्र (%)	(%) वर्षा
<500	निर्जल वर्षाहीन	16	बहुत कम
500-750	अर्ध-शुष्क	17	संख्या आदि
750-1100	सूखी उप आर्द्र	35	मध्यम
1100-1400	नम उप-आर्द्र	24	उच्च
>1400	आर्द्र पर्वत	8	बहुत अधिक

अंतर b/w सूखी भूमि और वर्षा खिलाया खेती

कॉन्स्ट्रेंट	सूखी भूमि खेती	बारिश खिलाया खेती
वर्षा (मिमी)	800	800
फसलों को नमी की उपलब्धता	कमी	ठीक-ठाक
बढ़ता मौसम (दिन)	200	200
बढ़ते क्षेत्र	शुष्क और अर्ध-शुष्क, उप आर्द्र और आर्द्र क्षेत्रों के	उप आर्द्र और आर्द्र क्षेत्र



	अपलैंड्स	
फसल प्रणाली	सिंगल क्रॉपिंग या इंटरक्रॉपिंग	इंटरक्रॉपिंग या डबल क्रॉपिंग
बाधाएं	हवा और पानी का कटाव	पानी का कटाव